डीईओ दफ्तर का हर बंद कमरा बन गया है घोटालों की दीमक

किसी से सिलाई मशीन, किसी से साइंस की किताबें तो कहीं से साइंस लैब का मिल रहा सामान

क्या हरियाणा सरकार इस महाघोटाले की जांच कराकर जिम्मेदार अधिकारियों से वसूली करेगी ?

मजदूर मोर्चा ब्यूरो

फरीदाबाद: जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) परिसर में एक-एक कर बंद कमरों के ताले खुलते जा रहे हैं और उसी के साथ वहां रोजना कोई न कोई कहानी सामने आ रही है। बंद कमरों से निकल रहा सामान बताता है कि सरकार से मिलने वाली सरकारी मदद और सामान को किस तरह दीमक चटाई जा सकती है। हर कमरा पिछली जिला शिक्षा अधिकारी की घिनौनी हरकतों को बयान कर रहा है। हर कमरा शिक्षा विभाग के करप्ट सिस्टम की बखिया उधेड़ता हुआ नजर आ रहा है। हालात इतने बदतर हैं कि मौजूदा शिक्षा अधिकारी रितु चौधरी ने अब 2005 से लेकर अब तक के स्टॉक रजिस्टर निकलवाने का निर्देश अपने स्टाफ को दिया। अगर स्टॉक रजिस्टर से सटीक जानकारी मिली तो इन बदतर हालात के लिए जिम्मेदार रहे अधिकारियों से उस पैसे की वसूली की जाएगी।

एनसीसी का क्यों है कब्जा

हरियाणा में तमाम विभाग सरकारी स्कूलों और शिक्षकों को बहुत महत्वहीन समझते हैं और जब भी कोई मुसीबत आती है तो सरकारी स्कूलों के शिक्षकों पर ही डाली जाती है। तिकोना पार्क के इस सरकारी स्कूल में एनसीसी ने जिले के आला अफसरों से कहलवा कर दस कमरों पर कब्जा कर लिया है।

हालांकि ये कमरे भी बहुत अच्छी हालत में नहीं हैं। लेकिन एनसीसी कर्मचारी धड़ल्ले से कमरों का इस्तेमाल कर रहे हैं। एनसीसी अफसरों की सरकारी और प्राइवेट गाड़ियां भी यहां खड़ी होती हैं। एनसीसी का यह कब्जा कुछ समय के लिए था लेकिन अब यह स्थायी होता जा रहा है। कुछ कर्मचारी इन कमरों के पीछे बड़े मैदान में बैठकर टाइमपास करते भी देखे जा सकते हैं।

शिक्षा विभाग के बेईमान चेहरे

डीईओ रितु चौधरी ने चंद दिनों पहले यहां डीईओ का पद संभाला है। पद संभालने के बाद उन्होंने एक-एक कमरे का जायजा लेना शुरू किया तो उन्हें बहुत सारे कमरे बंद मिले। कुछ कमरों की हालत इतनी खस्ता हो चुकी है कि वो गिरने की कगार पर हैं। सबसे पहले तो उन्होंने खस्ताहाल कमरों में स्टाफ को बैठने से मना किया और वहां बाकायदा लिखकर लगाया गया है कि इस खस्ताहाल कमरे में प्रवेश न करें। लेकिन उनकी जिज्ञासा उन बंद कमरों को लेकर थी, जिन पर धूल और जाले की पर्ते जमी हुई थीं।

डीईओ दफ्तर के सूत्रों ने बताया कि अभी तक पांच कमरे खोले जा चुके हैं। जिनमें एक कमरे से साइंस की किताबें बरामद हुई। कम से कम एक लाख रुपये की इन किताबों में से अधिकांश को दीमक चाट गई थी और जो बची थीं, उन्हें बाहर निकाल लिया गया। पूरा कमरा दीमक से भरा हुआ था। किताबें बरामद होते ही उन्हें जिले के तमाम सरकारी स्कूलों में भिजवाने की व्यवस्था फौरन कर दी गई। ये किताबें उन गरीब बच्चों के लिए गीता-कुरान की तरह हैं, जो महंगी किताबें नहीं खरीद सकते। हैरानी तो यह है कि ये किताबें हरियाणा सरकार के शिक्षा बजट से खरीदी गईं लेकिन खुद हरियाणा सरकार में ऐसा कोई मेकेनिज्म नहीं है कि वो पलट कर डीईओ और बाकी अफसरों से पूछ सके कि सरकार द्वारा गरीब बच्चों के लिए भेजी गई किताबों का क्या हुआ?

लाखों की सिलाई मशीनें कबाड़ में

मजदूर मोर्चा संवाददाता ने एक ऐसा कमरा भी देखा जो सिलाई मशीनों और स्कूलों में हाजिरी लगाने के लिए लगने वाली बायोमीट्रिक मशीन से भरा पड़ा था। इन पर धूल की अनगिनत पर्ते जमीं हुई थीं। इन्हें ऐसे डाला गया था, जैसे ये कोई कबाड़ हो। कुछ सिलाई मशीनें उनके लकड़ी वाले स्टैंड के साथ भी पड़ी हुई थीं। सरकारी स्कूलों में सिलाई मशीन से सिलाई सीखने में लड़कियों की विशेष रुचि होती है और आगे चलकर स्कूलों में सिलाई सीखने से उनकी आजीविका का रास्ता खुलता है।

जाहिर है कि लाखों की इन सिलाई मशीनों को फरीदाबाद के सरकारी स्कूलों में देने के लिए सरकार ने अपने बजट से भेजा होगा, लेकिन पूर्व डीईओ ने इन सिलाई मशीनों को इस कमरे में कबाड़ में डाल दिया। सूत्रों ने बताया कि वर्तमान डीईओ रितु चौधरी अब इन संभावनाओं का पता लगा रही हैं कि क्या इन सिलाई मशीनों को किसी तरह ठीक कराकर सरकारी स्कूलों में भेजा जा सकता है।

मजदूर मोर्चा में इस रिपोर्ट के प्रकाशन के बाद क्या हरियाणा सरकार यह सुनिश्चित कर पायेगी कि इस नुकसान के लिए कौन उत्तरदायी है और उनसे वसूली की जायेगी। फरीदाबाद के डीईओ दफ्तर के बंद कमरे दरअसल यहां पूर्व डीईओ के कार्यकाल में हुए किसी बड़े घोटाले की ओर संकेत करते हैं। एक बंद कमरे से साइंस लैब का सामान देखकर यह संवाददाता दंग रह गया। हरियाणा के सरकारी स्कूलों में साइंस लैब बिना सामान के जूझ रहे हैं और यहां पूर्व डीईओ ने साइंस लैब के महंगे सामान कमरों में कबाड़े की तरह फेंक रखा था।

चोर रास्ते हुए बंद

डीईओ दफ्तर और डीईईओ दफ्तर आसपास हैं। दोनों दफ्तर एक ही परिसर में हैं और यहां बहुत ज्यादा स्टाफ बैठता है और जिले के शिक्षक भी बड़ी तादाद में अपने काम के सिलसिले में आते रहते हैं। यहां पर पिछले डीईओ के कार्यकाल में कुछ लोगों ने चोर रास्ते बना रखे थे। हाजिरी लगाने के बाद वे उन रास्तों से गायब हो जाते थे।

इधर जो शिक्षक बेचारे दूर दराज के इलाकों से अपना काम लेकर आते थे वे परेशान होते रहते थे। डीईओ रितु चौधरी ने एक ही दिन में सारे चोर रास्तों को बंद कराकर वहां चारदीवारी करा दी। इस पर कुछ कर्मचारियों में खलबली मची और इसे जबरन मुद्दा बनाने की कोशिश की गई लेकिन मामला टायं टायं फिस्स हो गया। क्योंकि उसे काम करने वाली कर्मचारियों का समर्थन नहीं मिला। डीईओ दफ्तर में आने का मुख्य गेट हैं लेकिन इसकी बैक साइड में ऐसे रास्ते थे, जिनसे कामचोर या दादा किस्म के कर्मचारी हाजिरी लगाने के बाद भाग जाते थे। अब सभी पर शिकंजा कड़ा हो गया है।

तिकोना पार्क स्कूल में हो सकता है बड़ा हादसा

एनआईटी के तिकोना पार्क का सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूल अपने बेहतर नतीजों के लिए जाना जाता है। लेकिन जल्द ही यहां से बुरी खबर भी आ सकती है। मजदूर मोर्चा संवाददाता ने बुधवार को इस स्कूल का दौरा कर हालात का जायजा लिया। इस स्कूल में कम से कम बीस कमरे खस्ताहालत में है। एक कमरे का लिंटर बुधवार को गिर गया। प्रिंसिपल और टीचरों ने तमाम खस्ताहाल कमरों में छात्रों को बैठने से रोक दिया है। जगह-जगह चेतावनियां लिखी गई हैं ताकि वहां कोई छात्र नहीं जा सके। कुछ शिक्षकों ने स्वीकार किया कि कमरे कम होने से बच्चों को क्लासरूम में बैठने में दिक्कत आ रही है। लेकिन किसी तरह काम चलाया जा रहा है। इस संवाददाता ने दोपहर को छुट्टी होने के बाद एक जुनूनी शिक्षक को बड़ी कक्षा के छात्रों को पढ़ाते देखा। बच्चे एक दालान में नीचे बैठकर पढ़ रहे थे।

देखी-सुनी

खबरीलाल

मुखड़े पर काला-काला चश्मा

हरियाणा की कई महिला आईएएस सोशल मीडिया पर खुद को पेश करने के मामले में बहुत समय दे रही हैं। खुद को लखनवी बताने वाली और शेर-ओ-शायरी का सहारा लेकर अपनी बात कहने वाली एक सीनियर आईएएस अपना चश्मा भी बदलती हैं तो सोशल मीडिया पर लोगों से राय मांगती हैं। कभी ये अपनी सजाई रंगोली पर फूली नहीं समाती। एक और आईएएस अधिकारी जो फरीदाबाद और गुड़गांव में रहीं और अक्सर मीडिया को साथ लेकर सीवर-नाले में झांकती फिरती थीं, वह वर्कआउट कैसे करती हैं, .यह तक सोशल मीडिया पर बताती हैं। हाल ही में उन्हें मिजोरम से जुड़े एक दफ्तर में तैनात किया गया है। लेकिन इन दोनों समेत तमाम आईएएस अफसरों की संवेदनहीनता उस समय सामने आई जब हाल ही में किसान आंदोलन के खिलाफ राष्ट्रीय स्तर पर कुछ सरकारी चमचों ने अंग्रेजी में बयान जारी किया था। अंग्रेजी में तैयार किया गया यह बयान हरियाणा के तमाम आईएएस अफसरों को भेजा गया था। उस पर हस्ताक्षर करने वालों में ये दोनों महिला आईएएस भी शामिल थीं जो सोशल मीडिया पर बहुत संवेदनशीलता दिखाती हैं।

चाचा पर फिदा है भतीजा

हाल ही में अच्छे आचरण के लिए हरियाणा विधानसभा ने अपने दो विधायकों डॉ. अभय सिंह यादव (भाजपा) और वरुण चौधरी (कांग्रेस) को सम्मानित किया। इनमें से डॉ. अभय खासे चर्चित हैं और इनका एक आईएएस भतीजा जब - तब अपने चाचा के महत्वपूर्ण होने और खुद का संबंध इस परिवार से होने को सार्वजनिक रूप से व्यक्त करता रहता है। जैसे ही एक कमेटी ने डॉ. अभय के नाम की घोषणा की, आईएएस भतीजे ने सोशल मीडिया पर अपने चाचा के लिए शब्दों की गंगा बहा दी। अंग्रेजी में लिखे गए उस छोटी सी पोस्ट का लब्बोलुआब यह था कि मेरा चाचा महान और चाचा की वजह से मैं भी कुछ कम नहीं हूं। इसके बाद जब इन दोनों विधायकों को विधानसभा स्पीकर ने सम्मानित कर दिया तो भतीजा उन क्षणों को भी नहीं भूला और फोटो सहित चर्चा की। हरियाणा विधानसभा में कई और विधायक भी अच्छे आचरण के लिए जाने जाते हैं। जो कमेटी इसे तय करती है उसमें मुख्यमंत्री खट्टर के अलावा नेता प्रतिपक्ष भूपेन्द्र सिंह हुड्डा भी सदस्य हैं। दोनों ने अपनी-अपनी पार्टी के एक-एक विधायक को चुनकर पुरस्कार दिला दिया। अब ये कितना महान कार्य है, इसका अंदाजा आप लगा सकते हैं। लेकिन अगर आईएएस भतीजा छोटी-छोटी खुशियों को मना रहा है तो इसमें किसी को क्या ऐतराज हो सकता है।

प्रॉपर्टी डीलर केन्द्रीय मंत्री

प्रॉपर्टी डीलर के रूप में मशहूर एक केन्द्रीय मंत्री को अब अपने असली पेशे को बताने में जरा भी शर्म नहीं आती। नहरपार यानी ग्रेटर फरीदाबाद में इस केन्द्रीय मंत्री ने हाल के वर्षों में अथाह संपत्ति बनाई है। उसके कई बिल्डर प्रोजेक्ट भी इसमें शामिल हैं। हाल ही में केन्द्रीय मंत्री ने अपने नए शुरू होने जा रहे प्रोजेक्ट के लिए ग्रेटर फरीदाबाद में भूमि पूजन किया। लेकिन मंत्री से गलती यह हो गई कि उन्होंने लोकल मीडिया के अलावा अपने कुछ चहेते अफसरों और प्रॉपर्टी डीलरों को भी अपने कार्यक्रम में बुला रखा था। लोकल मीडिया ने केन्द्रीय मंत्री का गुणगान करते हुए फोटो सहित वो खबर छाप दी। लेकिन केन्द्रीय मंत्री ने अपने चेले-चपाटों को सख्त निर्देश दे रखा था कि वे सोशल मीडिया पर किसी भी खबर को शेयर न करें। क्योंकि मोदी का दफ्तर यानी पीएमओ तमाम मंत्रियों की सोशल मीडिया गतिविधियों पर बाकायदा नजर रखता है। केन्द्रीय मंत्री को डर था कि अगर पीएमओ के किसी भी अधिकारी की नजर उन खबरों पर पड़ गई और बात प्रधानमंत्री तक पहुंची तो उसकी खैर नहीं है। हालांकि केन्द्रीय मंत्री खुद छोटी-मोटी बातों से लेकर भाजपा का प्रचार सोशल मीडिया पर करते हैं लेकिन अपने प्रोजेक्ट के भूमि पूजन को यह मंत्री हजम कर गया।

...ताकि दुकान चलती रहे

फरीदाबाद भाजपा के एक नेता हैं धनेश अधलखा जो कृष्णपाल गूर्जर के सहारे मामूली कार्यकर्ता से लेकर चेयरमैनी तक जा पहुंचे। धनेश इस समय किसी फार्मेसी काउंसिल के चेयरमैन हैं। हरियाणा में ऐसे न जाने कितने चेयरमैन घूमते रहते हैं जिनको हरियाणा की अफसर लॉबी घास नहीं डालती। ऐसे अफसरों को पटाने के लिए धनेश अधलखा के अपने कुछ नुस्खे हैं। आइए जानते हैं। पिछले हफ्ते धनेश अधलखा ने सेक्टर 9 में एक धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें उन्होंने डीसी फरीदाबाद यशपाल यादव और आईपीएस आलोक मित्तल को भी मेहमान के तौर पर बुलाया। यह एक सामान्य सी बात है। लेकिन आसामान्य बात यह है कि धनेश अधलखा ने पूरी सेक्टर 9 मार्केट और अन्य स्थानों पर फ्लेक्सी बोर्ड लगवाए, जिनमें दोनों के वार्ड 33 में पधारने का स्वागत किया गया था इस बोर्ड पर आलोक मित्तल की फोटो उनके खाकी ड्रेस में है। धनेश अधलखा ने अपने नाम के पीछे चेयरमैन, हरियाणा सरकार लिखा है। विभाग या संस्था का जिक्र नहीं है। जानते हैं धनेश ने यह क्यों किया होगा - वो भाजपा नेताओं, कार्यकर्ताओं और जनता को बताना चाहते हैं कि आईएएस-आईपीएस अफसरों से उनके संपर्क हैं जिसके चलते उनकी दूकान में काफी दम हैं। तमाम ग्राहक लोग उनकी दुकान को महत्व दें। इन दोनों अफसरों को भी चुनने की खास वजह है। वो ये है कि आलोक मित्तल का नाम डीजीपी हरियाणा की रेस में कुछ लोगों ने चलाया। इसी तरह यशपाल यादव पर मेहरबान सीएम खट्टर कब उन्हें बड़ा पद दे दें, कोई नहीं जानता। इसलिए धनेश अधलखा भी अपनी सारी ऊंगलियां कड़ाही में रखना चाहते हैं। ये वही अफसर हैं जो जल्दी किसी को भी पोस्टर वगैरह में अपना फोटो लगाने की अनुमति नहीं देते लेकिन सामने जब भाजपा नेता की दुकान की बात हो तो ध्यान रखना पड़ता है। सबका साथ सबका विकास इसी तरह होता आया है।

प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक सतीश कुमार ने अपने स्वामित्व में एजीएस पब्लिकेशन्स, डी-67, सैक्टर-6, नोएडा से मुद्रित करवा कर 708 सैक्टर-14 फरीदाबाद से प्रकाशित किया। Postal Reg. No. L/H.R/FBD/463-06